ICFAI UNIVERSITY JHARKHAND

इक्फाई वि.वि. झारखंड व सीआइआर ने 'उद्योग-एकेडमिया कनेक्ट' का आयोजन किया

रॉंची, फरवरी 06, 2013 .

आज, इक्फाई वि.वि. झारखंड ने सीआइआर के साथ मिलकर उद्योग और एकेडमिक जगत के बीच संबंध मजबूत करने के लिए 'उद्योग-एकेडमिया कनेक्ट' कार्यक्रम का आयोजन किया। आइआइएम रॉंची, अभिजीत ग्रुप, भूषण पावर व स्टील, आइसीआइसीआइ बैंक, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस रिटेल, वोडाफोन, झारक्राफ्ट, एयरटेल, एचसीएल, जिंदल स्टील, एसबीआइ, टाटा पावर, मेकॉन, टाटा एआइजी, अल्ट्राटेक सीमेंट, कैपिटल होटल ग्रुप आदि जैसे प्रतिष्ठित संस्थाओं से वरिष्ठ पदाधिकारी व शिक्षाविदों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए प्रो. ओ आर एस राव ने उद्योग व एकेडमिया के बीच नजदीकी साझेदारी की अनिवार्यता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह दोनों पक्षों के लिए लाभकारी है। "उद्योग जगत अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाता है जबकि शिक्षा जगत उद्योग को टायलेंट रूपी ईंधन प्रदान करती है। दोनों की साझेदारी इस ईंधन की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद करेगी", प्रो. राव ने आगे कहा। "अभी, इक्फाई वि.वि. झारखंड छात्रों में प्रत्यक्ष हुनर डालने के लिए उद्योग जगत के साथ नजदीकी होकर काम कर रही है। शिक्षा की निरंतरता बनाये रखने के लिए वि.वि. ने पार्ट टाइम पीएचडी इन मैनेजमेंट की शुरुआत की है जिसमें 70% शोधकर्ता उद्योगजगत से हैं और वो उद्योग-संबंधित विषय पर शोध कर रहे हैं। वि.वि. अभी 2013 के सत्र में कार्यरत पेशेवरों के लिए द्विवर्षीय एमबीए पाठ्यक्रम लाने जा रही है जिसकी कक्षाएँ शाम में करायी जायेंगी," प्रो. राव ने उल्लेख किया।

शिक्षा जगत के परिपेक्ष्य में इस संबंध पर बोलते हुए प्रो. एम जे जेवियर, निदेशक, आइआइएम रॉंची ने कहा कि उद्योग व शिक्षण संस्थान इस बंधन के दो स्तम्भ हैं जिसको सरकारी तंत्र अपने कौशलता से आपसी लाभ के लिए आगे बढ़ा रही है। उन्होंने उन क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए जहाँ दोनों पक्ष सामूहिक रूप से काम कर सकते हैं कहा कि "उन्हें उस मॉडल पर काम करना चाहिए जिस पर दोनों पक्षों का लाभ हो और जो अर्थव्यवस्था व समाज के लिए उपयोगी हो" प्रो. जेवियर ने कहा।

अपने संबोधन में, डॉ डी एन ओझा, निदेशक, उच्च शिक्षा, झारखंड सरकार ने उल्लेख किया कि सरकार इस संबंध को प्रगाढ़ बनाने में खुशी महसूस करेगी क्योंकि यह अंततः पूरे राज्य को लाभान्वित करेगी।

औद्योगिक दृष्टिकोण को रखते हुए श्री एस के बेरा, वाइस चेयरमैन, सीआइआर झारखंड व वाइस चेयरमैन व एमडी, आरएसबी ट्रांसमिशन (I) लि., ने इस संबंध को आगे बढ़ाने के लिए सीआईआई द्वारा किए गये कार्यों के बारे में उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उद्योग-एकेडमिया शोध संबंध एक बहुत उपयोगी तरीका हो सकता है जो कि कौशलता की ओर निखार पैदा करेगी।

श्री धिरेन्द्र कुमार, आइएफएस, स्पेशल सेक्रेटरी, उद्योग विभाग, झारखंड सरकार व एमडी, झारक्राफ्ट ने अपने उद्घाटन भाषण में झारक्राफ्ट के कदमों की जानकारी दी और कहा कि शिक्षा जगत व उद्योग के बीच के काम अभी दिखने लगे हैं। लेकिन उन्होंने आगे कहा कि इन्हें और अधिक मिलकर कार्य करना होगा जिससे कि कौशलता की खाई को पाटा जा सके और छात्र पहले दिन से ही कार्य-कुशल रहें" श्री कुमार ने कहा।